प्रसार निदेशालय

चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर

दिनाँक 19.10.2020 को अधिष्ठाता, कृषि संकाय की अध्यक्षता में आहूत आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल (IQAC) की प्रथम बैठक के कार्यवृत्त में बिन्दु–2 पर दी गयी कार्यवाही की अनुपालन आख्या निम्नलिखित है।

विश्वविद्यालय द्वारा विकसित नवीन तकनीकों का चरणबद्ध तरीके से विभिन्न प्रसार माध्यमों को अपनाते हुए समस्त कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा निम्न प्रभावी तरीके से किसानों तक पहुँचाने का कार्य किया जा रहा है–

- कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा ऑन फार्म ट्रायल (ओ.एफ.टी.) चयनित कृषकों के प्रक्षेत्रों पर कराकर जनपद की जलवायु एवं कृषि परिस्थितकीय के अनुसार उपयोग लायी जा रही प्रजातियों के स्थान पर इस नवीन तकनीक का विभिन्न बिन्दुओं जैसे– उत्पादन क्षमता, गुणवत्ता, लागत, उपज का परीक्षण किया जाता है। परीक्षणोपरान्त किसानों को अपनाने हेतु वैज्ञानिकों द्वारा सलाह दी जाती है।
- तदोपरान्त प्राप्त परीक्षण एवं प्रभाव मूल्यांकन के साथ विकसित नवीन तकनीक का दूसरे चरण में कृषक हित में प्रथम पंक्ति प्रदर्शन (एफ0एल0डी0) कराया जाता है। एफ0एल0डी0 के माध्यम से पुरानी पद्धति, परम्परागत तरीके व प्रजाति के स्थान पर कम लागत एवं अधिक गुणवत्तायुक्त उत्पादन की नवीन तकनीकियों के अनुप्रयोग का कृषकों द्वारा अपनाये जाने पर जोर दिया जाता है। साथ ही इन्पुट के रूप में बीज, सीडलिंग, उर्वरक एवं रसायन आदि उपलब्ध भी कराया जाता है।
- नवीन विकसित प्रजातियों के प्रसार के इसी क्रम में ग्राम स्तरीय, ब्लाक स्तरीय एवं जनपद स्तरीय गोष्ठी का आयोजन कर किसानों को प्रशिक्षण दिया जाता है। किसानों की तकनीकी दक्षता बढ़ाने हेतु कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से प्रशिक्षित कर तकनीकियों को अपनाये जाने पर जोर दिया जाता है। जिससे विश्वविद्यालय द्वारा विकसित तकनीकियों का प्रचार–प्रसार वृहद स्तर पर किया रहा है। जनपद के

विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित संगोष्ठी एवं किसान मेला/विराट किसान मेला के दौरान विभिन्न विषयों जैसे कलस्टर गाँवों में कृषि प्रणाली के अनुसार रोजगार जैसे– बकरी पालन, मधुमक्खी पालन, मशरूम उत्पादन, दलहन, तिलहन उत्पादन एवं प्रसंस्करण, बीज उत्पादन दुग्ध उत्पादन, पौध उत्पादन, सब्जी उत्पादन व कृषि आधारित व्यवसाय की संभावनाओं आदि की तकनीकियों का हस्तान्तरण का कार्य व्यापक स्तर पर किया जाता है। जिससे बड़े पैमाने पर किसान भाई लाभान्वित हो रहे हैं। विभिन्न विषयों से प्राप्त तकनीकियों को अपनाये जाने के प्रभाव का मूल्यांकन कर किसानों की आय दोगुनी होने की 110 सफलता की कहानी प्रति कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा संकलित किया गया है, जिसका संकलन कर अटारी, कानपुर द्वारा आई0सी0ए0आर0 को प्रेषित किया जायेगा।

- कोविड–19 जैसी महामारी के दौरान किसानों तक तकनीकी पहुँचाने हेतु भी प्रसार वैज्ञानिकों द्वारा समय–समय पर एडवाइजरी जारी की गई– प्रथम चरण (मार्च, 2020) की भाँति इस वर्ष द्वितीय चरण में विभिन्न ग्रुपों के माध्यम से विगत माह में लोकल पेपर– 350, वाट्सअप ग्रुप– 65 एवं कृषि मौसम सेवा– 37, एफ.पी.ओ.–05, ट्वीटर–14 कुल 121 समूहों द्वारा 19010 कृषकों तक एवं हजारों की संख्या में तकनीकी पहुँचाने की सफलता मिली। कृषकों द्वारा फसल फोटो भेजकर जानकारी लिया गया तथा प्रतिदिन किसानों की समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। कृषि के विभिन्न आयामों पर किसान भाइयों ने लाभकारी खेती की सफलता पाई है।
- कोविड–19 के नियमों का पालन करते हुए कृषकों तक बीज एवं विश्वविद्यालय की तकनीकी पहुँच सके इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु कृषि तकनीकी प्रसार पखवाड़ा (03 अक्टूबर से 17 अक्टूबर, 2020) का आयोजन किया गया जिससे विकसित नवीन तकनीकी के हस्तान्तरण के साथ–साथ गुणवत्तायुक्त धान, गेहूँ, दलहन एवं तिलहन आदि के बीज एवं ट्राइकोडर्मा उत्पाद आदि मुहैया कराया गया। तथा मीडिया के माध्यम से तकनीकी का प्रसार किया व्यापक स्तर पर किया गया।

कृषकों के लिए लाभकरी खेती बनाने के लिए कई प्रयास किये जा रहे हैं–

- कृषि विज्ञान केन्द्र 13 जनपदों में जनपद की कृषि परिस्थिती के अनुरूप तकनीकी का मूल्यांकन करके तथा जनपद के कृषि आधारित विभागों को जानकारी देने का कार्य कर रहे हैं।
- विश्वविद्यालय में स्थापित कृषि तकनीकी सुचना केन्द्र (एटिक) द्वारा सभी किसान भाइयों के लिए बीज व तकनीकी जानकारी देने का कार्य किया जा रहा है।
- गांवो में स्वरोजगार स्थापित हो स्वरोजगार प्रारम्भ प्रेरक केन्द्र के स्थापित किये जाने की पहल के0वी0के0 दलीपनगर, कानपुर देहात में विश्वविद्यालय के द्वारा अंगीकृत ग्राम– अनूपपुर में किया गया है जहां से स्वरोजगार से जुडने एवं प्रारम्भ करने हेतु किसान सम्पर्क बढ़ रहे हैं।
- किसान उत्पादक संगठन (एफ0पी0ओ0) जो सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है के गठन एवं तकनीकी सुझाव व उनके प्रभावी संचालन हेतु तकनीकी माड्यूल बनाकर कार्य किया जा रहा है।
- किसानों की आय दुगनी (2022 तक) करने हेतु सर्वप्रथम खेती की लागत कम कर गुणवत्ता पूर्ण उत्पादन कर बाजार प्रबन्धन के साथ कार्य किया जा रहा है।
- लघु सीमान्त कृषकों को एकीकृत कृषि प्रणाली (आई0एफ0एस0) मॉडल तैयार किये गये हैं।
- प्रवासी मजदूरों को स्वरोजगार से जोड़ने हेतु कार्य किये जा रहे हैं। जिस पर ग्रामीण रोजगार अभियान के तहत् 04 कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा विभिन्न विषयों पर 72 तीन दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किये गये जिसमें कुल 2520 प्रवासी मजदूरों ने प्रशिक्षण प्राप्त कर अपना उद्यम स्थापित कर स्वरोजगार कर रहे हैं।
- पोषण सुरक्षा हेतु पोषक माह जो मा0 प्रधानमंत्री जी की सोंच है कि सब स्वस्थ्य हों उसके लिए विश्वविद्यालय के प्रसार कार्यकताओं/वैज्ञानिकों द्वारा निरन्तर कार्य किया जा रहा है जैसे –सहजन, पोषक रसोई बागवानी, बायो–फोर्टीफाइड फसलों का उत्पादन व पोषक तत्व भरपूर फसलों का उत्पादन हो की जागरूकता पर कार्य कर रहे हैं।
- कृषकों की आय दोगुनी (वर्ष 2022 तक) हेतु 13 कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा 02 गाँव को गोद लिया गया है। इन गांवों को आत्मनिर्भर एवं स्वावलम्बी

विधायें स्थापित करके मॉडल गांव कैसे बने का माड्यूल देकर उसके प्रसार हेतु जनपद को हस्तान्तरित करने का मॉडल गांव माड्यूल प्रसार चरण के माध्यम से किया जायेगा।

समस्त कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा स्थानीय स्तर पर Local Management Committee(LMC) गठित की गयी हैं जो कृषि विज्ञान केन्द्र की वैज्ञानिक सलाहाकार की समिति के रूप में कृषक हित में केन्द्रों द्वारा किये गये कार्यों का मूल्यांकन एवं जनपद के आवश्यकतानुसार आगामी वार्षिक कार्ययोजना के क्रियान्वयन की रणनीति बनाकर Local को Vocal बनाने हेतु कार्य किया जा रहा है।

किसानों से सम्बन्धित साहित्यों के प्रकाशन की गुणवत्ता सम्पादकीय मण्डल द्वारा विभिन्न विषयों पर प्रकाशन का कार्य किया जा रहा है। वर्ष 2020–21 में प्रमुख प्रकाशन निम्न हैं–

1. कोविड–19 वैश्विक महामारी के समय विकसित प्रमुख साहित्य
   - ❑ उ0प्र0 में विभिन्न फसलों पर खरीफ रणनीति
   - ❑ जल्दी नष्ट होने वाले फल एवं सब्जियों का विपणन
   - ❑ नकदी फसलों की संरक्षित खेती
   - ❑ पशु चिकित्सा पॉलीक्लीनिक
   - ❑ कृषि उत्पादन और मूल्य संवर्धन की रणनीतियाँ
   - ❑ फसल अवशेष प्रबन्धन पर पंपलेट्स
   - ❑ कुपोषण से बचाव हेतु बायोफोर्टीफाइड फसलों एवं सब्जियों की उन्नतशील खेती
2. कोविड–19 वैश्विक महामारी के समय कृषि तकनीकी प्रकाशन
   - ❑ "किसानों की सफलता की कहानियाँ–100 गेम चेन्जर"
   - ❑ प्रत्येक कृषि विज्ञान केन्द्र से 1000–1500 कृषकों की ''कृषक निर्देशिका''
   - ❑ प्रत्येक कृषि विज्ञान केन्द्र से ''कृषक तकनीकी एडवाइजरी'' का संकलन
   - ❑ कृषि काया–कल्पिका ऑनलाइन पत्रिका का प्रथम विशेषांक
   - ❑ कृषक भारती खरीफ / रबी विशेषांक –2020
   - ❑ जैविक खेती के आयाम
   - ❑ एफ0पी0ओ0 हेतु मार्गदर्शिका–2020
   - ❑ रोजगारपक तकनीकी प्रशिक्षण प्रशिक्षण प्रभाव एवं मूल्यांकन
   - ❑ पोषण वाटिका से पोषक थाली तक (पोषण माह 2020)

Coordinator
Director of Extension
C.S.A.U. of Agri. & Tech.
Kanpur